



राजपत्र, हिमाचल प्रदेश

(असाधारण)

हिमाचल प्रदेश राज्य शासन द्वारा प्रकाशित

शिमला, शुक्रवार, 23 मई, 1997/2 ज्येष्ठ, 1919

हिमाचल प्रदेश सरकार

आबकारी एवं कराधान विभाग

अधिसूचना

शिमला, 8 मई, 1997

संख्या ई० एक्स० एन०-एफ(1)-2/88.—हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल, पंजाब पुनर्गठन अधिनियम, 1966 की धारा 88 के फलस्वरूप पंजाब पुनर्गठन अधिनियम, 1966 की धारा 5 के अधीन हिमाचल प्रदेश में जोड़े गए क्षेत्र में यथा प्रवृत्त और हिमाचल प्रदेश (विधियों का लागू होना) आदेश, 1948 और बिलासपुर (विधियों का लागू होना) आदेश, 1948 के फलस्वरूप 1 नवम्बर, 1966 से ठीक पूर्व हिमाचल प्रदेश में समाविष्ट क्षेत्रों में यथा लागू पंजाब एक्साइज ऐक्ट, 1914 (1914 का 1) की धारा 58 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए पंजाब एक्साइज ऐक्ट, 1914 की धारा 5, 6, 17, 18 और 24(4) के प्रयोजनों को कार्यान्वित करने के लिए निम्न लिखित नियम बनाते हैं ;

जबकि राज्य सरकार का विचार है कि हिमाचल प्रदेश में मद्य निषेध क्षेत्रों में शराब का आयात, परिवहन, कब्जा और विक्रय को विनियमित करने के लिए ये नियम तुरन्त प्रवृत्त किए जाने चाहिए, अतः हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल पंजाब एक्साइज ऐक्ट, 1914 की धारा 58 की उप-धारा (3) के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, पूर्व प्रकाशन के बिना निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात्:—

1. संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ.—(1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम हिमाचल प्रदेश मद्य निषेध नियम, 1997 है ।

(2) ये नियम तुरन्त प्रवृत्त होंगे ।

2. परिभाषाएं.—इन नियमों में, जब तक कि विषय या संदर्भ से अन्यथा अपेक्षित न हो,—

(क) “अधिनियम” से पंजाब एक्साइज ऐक्ट, 1914 (1914 का 1) अभिप्रेत है ;

(ख) “ब्रांडी” से अभिप्रेत है और इसके अन्तर्गत है, अंगूरों के आसवन के पश्चात् प्राप्त या ब्रांडी के अरक के संयोजन द्वारा परिष्कृत कोई विदेशी शराब चाहे वह विदेश से आयात की गई हो या भारत में बनाई गई है ;

(ग) “मुख्य चिकित्सा अधिकारी” से जिला का मुख्य चिकित्सा अधिकारी या अन्य प्रमुख चिकित्सा अधिकारी अभिप्रेत है ;

(घ) “प्ररूप” से इन नियमों से संलग्न प्ररूप अभिप्रेत है ;

(ङ) “सरकार” से हिमाचल प्रदेश सरकार अभिप्रेत है ;

(च) “चिकित्सा प्रमाण पत्र” से यथास्थिति मुख्य चिकित्सा अधिकारी या किसी पंजीकृत चिकित्सा व्यवसायी द्वारा, किसी व्यक्ति द्वारा वास्तविक घरेलू चिकित्सा प्रयोग के लिए कब्जे में रख जानी वाली ब्रांडी की मात्रा प्रमाणित करते हुए, उस व्यक्ति को दिया गया प्रमाण पत्र अभिप्रेत है ;

(छ) “मद्य निषेध क्षेत्र” से किसी नागरिक जिला या उसके किसी भाग की वे क्षेत्रीय सीमाएं अभिप्रेत हैं जिसमें इन नियमों के अधीन बनाए गए उपबन्धों के अधीन के सिवाय, राज्य सरकार अधिनियम की धारा 17 और 24(4) के अधीन, अधिसूचना द्वारा किसी प्रकार की शराब का विक्रय या अन्यथा के लिए कब्जा रखना और आयात या पारवासित करना प्रतिषिद्ध करती है ;

(ज) “पंजीकृत चिकित्सा व्यवसायी” से हिमाचल प्रदेश में या भारत के किसी अन्य राज्य में भारतीय आयुर्विज्ञान परिषद् अधिनियम, 1956 के उपबन्धों के अधीन पंजीकृत कोई व्यक्ति अभिप्रेत है ; और

(झ) पद “आयात”, “पारवासन” और “विक्रय” तथा अन्य पदों के, जो इन नियमों में प्रयुक्त हैं किन्तु परिभाषित नहीं हैं, वहीं अर्थ होंगे जो अधिनियम में इनके हैं ।

3. कब्जा—कोई भी व्यक्ति सिवाय निम्नलिखित के, मद्य-निषेध क्षेत्र में किसी प्रकार की शराब को, (विक्रय या अन्यथा) आयात, पारवासन के लिए कब्जे में नहीं रखेगा,—

(क) विद्युत आसव;

(ख) अनुज्ञापत्रधारी विक्रेता या किसी अन्य व्यक्ति, जिसे विशेष अनुज्ञापत्र जारी किया गया हो, के कब्जे में पारिशोधित आसव;

(ग) मद्य-निषेध क्षेत्र में सुरक्षा बल के किसी सदस्य द्वारा जो काम पर हो, या छुट्टी पर हो या मद्य-निषेध क्षेत्र में सै होकर जा रहा हो, कब्जे में रखी गई शराब ;

परन्तु ऐसा तब जबकि ऐसा सदस्य—

(1) उसकी यूनिट के कमांड अधिकारी या रक्षा विभाग द्वारा इस निमित्त सशक्त किसी अधिकारी द्वारा जारी किया गया प्राधिकार रखता हो ;

(2) शराब की मात्रा रक्षा विभाग द्वारा उसके रैंक के लिए अनुमोदित मात्रा से अधिक न रखता हो; और

(3) किसी पुलिस अधिकारी या आवकारी अधिकारी के मांगने पर अपना पहचान-पत्र और प्राधिकार दिखाता है ;

(घ) मद्य-निषेध क्षेत्र में अभिवहन के दौरान आवश्यक पास के अन्तर्गत अन्य क्षेत्रों को ले जाई जाने वाली शराब;

(ङ) सरकार के किसी आवकारी अधिकारी द्वारा शासकीय हैसियत में कब्जे में ली गई शराब ;

(च) कोई औषधीय और अन्य निमित्त जिसमें परिशोधित आसव भी अन्तर्बिष्ट है और ऐसी निमित्त जो अधिनियम के प्रयोजनों के लिए शराब के रूप में घोषित की गई है या समय-समय पर घोषित की जाए और जिसका आयात, निर्यात, पारवाहन, कब्जा या विक्रय पंजाब इन्ट्रैक्सीक्रेटींग स्ट्रिट्स परंपरेशन इम्पोर्ट, एक्सपोर्ट, ट्रांसपोर्ट, पोर्जसन एण्ड सेल रूलज, 1932 द्वारा विनियमित किया जाता हो ;

(छ) मद्य-निषेध क्षेत्र से होकर मद्य-क्षेत्र के बाहर किसी स्थान को जाते हुए वास्तविक यात्रियों के कब्जे में खुदरा विक्रय की सीमा तक शराब ।

4. वास्तविक घरेलू चिकित्सीय प्रयोग के लिए कब्जा.—(1) इन नियमों के नियम-3 अन्तर्बिष्ट किसी बात के होते हुए भी, कोई भी व्यक्ति, आवेदन पर, सहायक आवकारी एवं कराधान आयुक्त या जिला के प्रभारी आवकारी एवं कराधान अधिकारी या उस द्वारा विशेष रूप से प्राधिकृत और मद्य-निषेध क्षेत्र में अधिकारिता रखने वाले वर्ग-1 के किसी अन्य आवकारी अधिकारी द्वारा प्रारूप-पी0 आर0 1 में प्रदान किए गए अनुज्ञा-पत्र के प्राधिकार पर, अपने वास्तविक घरेलू चिकित्सीय प्रयोग के लिए, 180 मिली लीटर तक ब्रांडी पांच रुपये की फीस के संदाय पर प्राप्त कर सकता है ।

(2) प्रारूप पी0 आर0 1 में अनुज्ञा-पत्र धारण करने वाला व्यक्ति, मद्य-निषेध क्षेत्र के बाहर प्रारूप एल0 2 में अनुज्ञा-पत्रधारक किसी व्यक्ति से ब्रांडी प्राप्त कर सकता है ।

(3) सहायक आवकारी एवं कराधान अधिकारी या जिला के प्रभारी आवकारी और कराधान अधिकारी या ऐसे अन्य वर्ग-1 के आवकारी अधिकारी, जो इस निमित्त प्राधिकृत हों, के कार्यालय में प्रारूप पी0 आर0-1 में ऐसे व्यक्तियों की विशिष्टियां दर्शाते हुए, जिन्हें अनुज्ञा-पत्र प्रदान किए हों, प्रारूप पी0 आर0 2 में एक रजिस्टर रखा जाएगा ।

(4) उपरोक्त उप-नियम (1), (2) और (3) में अन्तर्बिष्ट किसी बात के होते हुए भी किसी व्यक्ति को प्रारूप पी0 आर0 1 में अनुज्ञा-पत्र प्रदान नहीं किया जाएगा जब तक कि उसने प्रारूप पी0 आर0 3 में ऐसे व्यक्ति द्वारा

अपने वास्तविक घरेलू चिकित्सा प्रयोग के लिए, मुख्य चिकित्सा अधिकारी या पंजीकृत चिकित्सा व्यवसायी से प्रमाणित ब्रांडी की मात्रा का प्रमाण-पत्र प्राप्त न कर लिया गया हो।

(5) अनुज्ञा-पत्र प्ररूप पी० आर० 1 में, इस निमित्त विस्तारयुक्त द्वारा जारी किए गए आदेशों के अधीन रहते हुए, प्रदान किया जाएगा।

प्ररूप पी० आर० 1

[देखें नियम 4 (1) और (4)]

हिमाचल प्रदेश मद्य निषेध नियम, 1997 के अधीन घरेलू प्रयोग के लिए ब्रांडी के क्रय, कब्जे और परवासन के लिए अनुज्ञा-पत्र

संख्या.....

तारीख.....

श्री.....सुपुत्र श्री.....
निवासी..... (पुरुष/महिला) एतद्वारा क्रय और कब्जे का अनुज्ञा प्राप्त.....
..... उसका/उसकी घरेलू प्रयोग के लिए ब्रांडी की.....
..... (मात्रा) प्रश्नगत ब्रांडी विदेशी शराब अनुज्ञा-पत्रधारक परिसर..... से
क्रय करने के लिए अनुज्ञात की जाती है।

सहायक आवकारी एवं कराधान आयुक्त या
जिला का प्रभारी आवकारी एवं कराधान अधिकारी
या प्राधिकृत अधिकारी।

विशेष शर्तें

1. अनुज्ञा-पत्रधारक इस अनुज्ञा-पत्र के अधीन क्रय की गई ब्रांडी को केवल चिकित्सा प्रयोग के लिए ही प्रयोग करेगा। वह अनुज्ञा-पत्र प्रदान करने वाले प्राधिकारी को अनुमति के सिवाए, ब्रांडी अपने कुटुम्ब के सदस्य के अतिरिक्त किसी अन्य व्यक्ति को अन्तरित नहीं करेगा।
2. अनुज्ञा-पत्र उसकी किसी शर्त के भंग होने की दशा में या किसी अन्य कारणों जो कि अनुज्ञा-पत्र करने वाले प्राधिकारी द्वारा अभिलिखित किए जाएंगे, पर किसी भी समय रद्द किया जा सकेगा।
3. इस अनुज्ञा-पत्र के अधीन क्रय की गई ब्रांडी अनुज्ञा-पत्र धारक की अभिरक्षा में रखी जाएगी।
4. अनुज्ञा-पत्र धारक हिमाचल प्रदेश मद्य निषेध नियम, 1997 का अनुपालन करेगा।

अनुज्ञा-पत्र धारक के हस्ताक्षर।

(हस्ताक्षर)

सहायक आवकारी एवं कराधान आयुक्त या
जिला का प्रभारी आवकारी एवं कराधान अधिकारी
या प्राधिकृत अधिकारी।

प्ररूप पी0 आर0 2

[नियम 4(3) देखें]

केवल आन्डी के क्रय के लिए प्ररूप पी0 आर0 1 में अनुज्ञा-पत्र प्रदान किए गए व्यक्तियों की विशिष्टियां दर्शाता हुए रजिस्टर

क्रम संख्या	अनुज्ञा-पत्र की संख्या और तारीख	अनुज्ञा-पत्र प्रदान किए गए व्यक्ति का नाम, पिता का नाम एवं पूरा पता	अनुज्ञात मात्रा	अनुज्ञा-पत्र के विधि मान्यता की अवधि
1	2	3	4	5

अनुज्ञाप्तिधारक विक्रय परिसर का नाम, जहां से क्रय अनुज्ञात हो

प्रभारित की गई अनुज्ञा-पत्र फीस की विवरणियां

टिप्पणियां

6

7

8

टिप्पणः—अनुज्ञा-पत्र जारी करने वाले प्राधिकारी द्वारा रखा जाएगा ।

प्ररूप पी0 आर0 3

[नियम 4(4) देखें]

हिमाचल प्रदेश मद्य निषेध नियम, 1997 के अधीन प्रदान किए जाने वाले चिकित्सा प्रमाण-पत्र का प्ररूप ।

प्रमाणित किया जाता है कि श्री सुपुत्र
श्री आयु वर्ष

(पुरुष/महिला) निवासी तहसील
 हिमाचल प्रदेश बीमारी से पीड़ित
 है और स्वास्थ्य और चिकित्सा कारणों से ब्रांडी का नियमित प्रयोग आवश्यक है। आवदक के स्वास्थ्य के हित में
 मिलीलीटर के दैनिक प्रयोग की सिफारिश की जाती है।

.....
 चिकित्सा प्रमाण पत्र प्रदान किए जाने
 वाले व्यक्ति के हस्ताक्षर।

मुख्य चिकित्सा अधिकारी/पंजीकृत चिकित्सा व्यवसायी।

आदेश द्वारा,

एस0 एस0 परमार,
 वित्तायुक्त एवं सचिव।

[Authoritative English text of this Department Notification No. EXN. F (1)-2/88-I, dated 8-5-1997,
 as required under clause (3) of Article 348 of the Constitution of India].

EXCISE AND TAXATION DEPARTMENT

NOTIFICATION

Shimla-171002, the 8th May, 1997

No. EXN-F (1)-2/88-I.—In exercise of the powers conferred by section 58 of the Punjab Excise Act, 1914 (1 of 1914) as in force in the areas added to Himachal Pradesh under section 5 of the Punjab Re-organisation Act, 1966, by virtue of the provisions of section 88 of the Punjab Re-organisation Act, 1966, and as applied to the areas which comprised in Himachal Pradesh immediately before the 1st November, 1966 by virtue of the Himachal Pradesh (Application of Laws) Order, 1948 and the Bilaspur (Application of Laws) Order, 1948, the Governor, Himachal Pradesh is pleased to make the following rules for carrying out the purposes of section 5, 6, 17, 18 and 24 (4) of the said Punjab Excise Act, 1914.

Whereas the State Government considers that these rules should be brought in force at once to regulate the import, transport, possession and sale of liquor in prohibition areas in Himachal Pradesh, the Governor of Himachal Pradesh in exercise of the powers conferred by proviso to sub-section (3) of section 58 of the Punjab Excise Act, 1914, is further pleased to make these rules without previous publication, namely:—

1. *Short title and commencement.*—(1) These rules may be called the Himachal Pradesh Liquor Prohibition Rules, 1997.

(2) These rules shall come into force at once.

2. *Definitions.*—In these rules, unless there is anything repugnant in the subject or context,—

(a) “Act” means the Punjab Excise Act, 1914 (10 of 1914) ;

- (b) "brandy" means and includes any foreign liquor obtained after distillation of grapes or sophisticated by the addition of essences of brandy whether imported from abroad or made in India ;
- (c) "Chief Medical Officer" means the Chief Medical Officer or other principal medical officer of the district ;
- (d) "forms" means forms as appended to these rules ;
- (e) "Government" means the Government of Himachal Pradesh ;
- (f) "medical certificate" means a certificate given by a Chief Medical Officer or a registered Medical Practitioner, as the case may be, to a person certifying the quantity of brandy to be possessed by the latter for his bonafide household medical use ;
- (g) "prohibition areas" means the territorial limits of any civil district or a part thereof where under section 17 and 24 (4) of the Act, the State Government has by notification prohibited the possession for sale or otherwise and the import or transport of any kind of liquor save under the provisions made in these rules ;
- (h) "registered medical practitioner" means any person registered under the provisions of Indian Medical Council Act, 1956, in Himachal Pradesh or any other State of India ; and
- (i) the expressions "import", "transport" and "sale" and other expressions used in these Rules but not defined shall have the same meaning as are assigned to them under the Act.

3. *Possession.*—No person shall possess (for sale or otherwise), import or transport any kind of liquor in the prohibition area except—

- (a) denatured spirit ;
- (b) rectified spirit in the possession of licensed vender or other persons in whose favour a special permit has been issued ;
- (c) liquor possessed by a member of the Defence Forces on duty or on leave in prohibition area or in transit through the prohibition area :

Provided that—

- (1) such member is in possession of an authorisation issued by the Officer Commanding of his Unit or an Officer empowered by the Defence Department in this behalf ;
- (2) the quantity of liquor does not exceed the quantity approved by the Defence Department for his rank ; and
- (3) the identity card and authorisation is shown to a police or excise officer on demand.
- (d) Liquor covered by necessary passes while in transit in the prohibition area transported for other areas.
- (e) liquor possessed by any excise officer of Government acting in his official capacity.
- (f) Medical and other preparation containing rectified spirit and such preparations which have been or may be declared from time to time to be liquor for the purpose of the Act whose import, export, transport, possession and sale of which is regulated by the Punjab Intoxicating Spirituous Preparations Import, Export, Transport, Possession and Sale Rules, 1932.
- (g) Liquor upto the limit of retail-sale in the possession of bonafide passengers passing through the prohibition areas, while on the way to a place outside the prohibition area.

4. *Possession for bonafide house-hold medical use.*—(1) Notwithstanding anything contained in rule 3 of these rules, any person may, on application, obtain brandy upto 180 millilitres, for bonafide house-hold medicinal use, on the authority of a permit in Form PR. 1 granted by

the Assistant Excise and Taxation Commissioner or Excise and Taxation Officer, Incharge of the district or any other Excise Officer of 1st Class specially authorised by him and having jurisdiction in the prohibition area on payment of a fee of Rs. 5/-.

(2) The person holding a permit in Form PR. 1 may obtain the brandy from any person holding a licence in Form L. 2 out-side the prohibition area.

(3) A register in Form PR. 2, showing particulars of the persons granted permits in Form PR. 1, shall be maintained in the office of the Assistant Excise and Taxation Commissioner or Excise and Taxation Officer, Incharge of the district or such other Excise Officer of the 1st Class as has been authorised, in this behalf.

(4) Notwithstanding anything contained in sub-rules (1), (2) and (3), no permit in Form PR. 1 shall be granted to any person unless he has obtained a certificate in Form PR. 3 from a Chief Medical Officer or a registered medical practitioner certifying the quantity of brandy to be possessed by such person for bonafide house-hold medicinal use.

(5) The permit in Form PR. 1 shall be granted subject to the orders of the Financial Commissioner issued by him in this behalf.

FORM PR. 1

[See rule 4 (1) and (4)]

PERMIT FOR THE PURCHASE, POSSESSION AND TRANSPORT OF BRANDY FOR DOMESTIC USE, UNDER THE HIMACHAL PRADESH LIQUOR PROHIBITION RULES, 1997

No..... Date.....
Shris/o.....resident of.....(Male/Female) is hereby permitted to purchase and possess.....(quantity) of brandy for his/her domestic use.

The brandy in question is permitted to be purchased from foreign liquor licensed premises at.....

*Signature of the Assistant Excise and Taxation
Commissioner or Excise and Taxation Officer, Incharge
of the District or Officer authorised.*

Special Conditions

1. The permit holder shall use brandy purchased under this permit, for medicinal purpose only. He shall not transfer brandy to any person other than a member of his family, except with the permission of the permit granting authority.
2. The permit is liable to be cancelled at any time for the breach of any condition of the permit or for any other reasons to be recorded in writing by the permit granting authority.
3. The brandy purchased under this permit shall be kept in the custody of the permit holder.

4. The permit holder shall abide by the Himachal Pradesh Prohibition Rules, 1997.

Signature of the permit holder.

(Signature),
Assistant Excise and Taxation Commissioner or
Excise and Taxation Officer,
Incharge of the District or Officer authorised.

FORM PR. 2

[See rule 4 (3)]

REGISTER SHOWING THE PARTICULARS OF PERSONS GRANTED PERMIT IN
FORM PR.1

Sl. No.	No. and date of permit	Name, parentage and full address of person granted permit	Quantity allowed	Period of validity of permit
1	2	3	4	5

Name of the licensed vend premises from where purchase allowed	Details of permit fee charged	Remarks
6	7	8

Note.—To be maintained by the permit issuing authority.

FORM PR. 3

[See rule 4 (4)]

FORM OF MEDICAL CERTIFICATE TO BE GRANTED UNDER THE HIMACHAL
PRADESH LIQUOR PROHIBITION RULES, 1997

Certified that Shri.....s/o.....age.....years (Male/
Female), resident of.....Tehsil.....in district.....of
Himachal Pradesh is suffering from disease namely.....
and that regular use of brandy is necessary on health and medical grounds. The use of.....
Millilitres of brandy daily is recommended in the interest of the health of the applicant.

.....
Signature of the person granted medical certificate.

Sd/-
Chief Medical Officer/Registered Medical Practitioner.

By order,
S. S. PARMAR,
Financial Commissioner-cum-Secretary.